Q/321/21

M.A. I SEMESTER (Main/ATKT) EXAMINATION, DECEMBER-2021

हिन्दी साहित्य

PAPER - III

भारतीय काव्यशास्त्र

Time : Three hours **Maximum Marks : 40**
Minimum Marks : 14

Note : सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक खण्ड में निर्धारित अंक दर्शाए गए हैं।

खण्ड 'अ'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न **1x5 = 05**

Q.1 सही उत्तर चुनिए –

(i) साधारणीकरण के प्रथम विवेचक हैं–

(a) रामचन्द्र शुक्ल (b) अभिनवगुप्त
(c) भट्ट नायक (d) मम्मट

(ii) 'वक्रोक्ति लोकोत्तर चमत्कारी होती है'– कथन है–

(a) भामह का (b) कुन्तक का
(c) वामन का (d) दण्डी का

(iii) 'प्रस्तुत अर्थ के अनुरुप भव्य गुणों का सन्निवेश' औचित्य का कौन सा प्रकार है –

(a) गुणौचित्य (b) रसौचित्य
(c) अलंकारौचित्य (d) प्रबंधौचित्य

(iv) 'काव्यनिर्णय' लक्षण ग्रंथ के रचनाकार हैं–

(a) देव (b) प्रतापसाहि

(c) पद्माकर (d) भिखारीदास

(v) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की समीक्षा का प्राण तत्त्व है–

(a) इतिहास (b) समाजशास्त्र

(c) मनोविश्लेषणशास्त्र (d) सौन्दर्यशास्त्र

खण्ड 'ब'

लघु उत्तरीय प्रश्न

2x5 = 10

Q.2 मम्मट द्वारा प्रतिपादित चार काव्य प्रयोजनों का उल्लेख कीजिए।

vFkok OR

रस की प्रतीति किस प्रकार अलौकिक होती है?

Q.3 कुन्तक ने विचित्र मार्ग की व्याख्या किस प्रकार की है?

अथवा OR

रीतियों के भौगोलिक आधार को स्पष्ट कीजिए।

Q.4 आनंदवर्द्धन द्वारा प्रतिपादित ध्वनि की परिभाषा लिखिए।

अथवा OR

स्वभावौचित्य से क्या आशय है?

Q.5 कवि–आचार्य का अर्थ बताइये।

अथवा OR

रीति ग्रन्थों में कितने प्रकार की निरुपण शैली प्रयुक्त हुई है? उनके नाम लिखिए।

Q.6 अवचेतन सिद्धान्तवादी आलोचना की चार मान्यताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा OR

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने समीक्षा पद्धति में किन मानदण्डों का विनियोग किया है? किन्हीं चार पर दृष्टिपात कीजिए।

खण्ड 'स'

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

5x5 = 25

Q.7 महाकाव्य के प्रमुख तत्त्वों की विवेचना कीजिए।

अथवा OR

अलंकार सिद्धान्त की मूल स्थापनाओं पर विचार कीजिए।

Q.8 ''कुन्तक ने परम्परागत रुप में प्रयुक्त वक्रोक्ति को नया अर्थ देकर उसे काव्य की आत्मा के पद पर प्रतिष्ठित किया है''—इस कथन के परिप्रेक्ष्य में वक्रोक्ति की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

अथवा OR

काव्य—गुण को परिभाषित करते हुए प्रसाद एवं ओज गुण की व्याख्या कीजिए।

Q.9 आनंदवर्द्धन प्रणीत ध्वनि की परिभाषा देते हुए ध्वनि के स्वरुप का आकलन कीजिए।

अथवा OR

औचित्य सिद्धान्त का ऐतिहासिक विकासक्रम दर्शाते हुए क्षेमेन्द्र के औचित्य सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

Q.10 लक्षण ग्रंथ परम्परा में केशवदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा OR

रीति ग्रंथों की निरुपण शैलियों का परिचय दीजिए।

Q.11 हिन्दी आलोचना के विकास में द्विवेदी युगीन आलोचना का वैशिष्ट्य निरुपित कीजिए।

अथवा OR

शास्त्रीय आलोचना की विशेषताएँ लिखिए।

●●●